तापमान
अधिकतम 14 .0 डिग्री
न्यूनतम 3 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार 12 जनवरी 2026

11 सफाई कर्मचारी समाज को स्वच्छ....

11 इंडस पब्लिक स्कूल में हैप्पीनेस प्रोग्राम संपन्न

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जींद। गांव बुडायन के निकट तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बुडायन निवासी राजेंद्र ने पुलिस को शिकायत दी है।

राजकीय आईटीआई में युवा दिवस कार्यक्रम आज

कैथल। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग हरियाणा द्वारा राजकीय आईटीआई में 12 को राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर आधारित भाषण प्रतियोगिता होगी। संस्थान के एनएसएस अधिकारी शमशेर सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय युवा दिवस कार्यक्रम में जिला कैथल के 15 से 29 वर्ष के सभी नौजवान आमंत्रित किए गए हैं।

लिंक को क्लिक करना भारी, 2.61 लाख गायब

जींद। तथाकथित बैंक कर्मी द्वारा भेजे गए लिंक को क्लिक करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। जिसके बाद व्यक्ति के खाते से दो लाख 61 हजार रुपये गायब हो गए। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नीमा संगठन मेडिकल एसो. के समर्थन में आया

कलायत। कैलाश मेडिकल हाल के संचालक पर बृहस्पतिवार रात्रि को लाठियों से हमले के साथ-साथ 85 हजार की लूट की वारदात को लेकर अब चिकित्सकों का नीमा संगठन भी मेडिकल एसोसिएशन के समर्थन में उतर आया है। कलायत नीमा संगठन ने कहा कि यह घटना केवल केवल एक व्यक्ति पर हमला बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पूरे वर्ग की सुरक्षा पर हमला करार दिया है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव डिडवाड़ा से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव डिडवाड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने व पूछताछ करने पर उसका कोई सुराग नही लगा है।

यातायात नियमों का पालन करें : डीसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने धुंध के दृष्टिगत सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

कहासुनी के चलते मारपीट करने पर सात नामजद

जींद। बुढाबाबा बस्ती में कहासुनी के चलते मारपीट करने पर शहर थाना पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुढाबाबा बस्ती निवासी विरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बस्ती के ही प्रदीप से कहासुनी हो गई। जिस पर प्रदीप व उसके परिजनों ने उस पर हमला कर दिया।

भाकियू का राष्ट्रीय अधिवेशन महाकुंभ 16 से

जींद। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 16 से 18 जनवरी तक भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अधिवेशन किसान महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जींद समेत देश भर से किसान, मजदूर, भाकियू के पदाधिकारी भाग लेंगे। भाकियू के जिला प्रेस प्रवक्ता रामराजी ढुल ने यह जानकारी दी।

छह करोड़ रुपये की लागत से चकाचक होंगी सेक्टर 18 और 21 की सड़कें

बजट को मिली मंजूरी: सेक्टरवासियों को जल्द मिलेगी सड़क के गहरे गड्ढों से राहत, जल्द निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

हर समय सड़कों पर उड़ती धूल से भी लोगों को राहत मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से भी सेक्टर 18 तथा 21 की सड़कों को चकाचक बनाया जाएगा। प्राधिकरण की ओर से इन सेक्टरों की सड़क बनाने के लिए 6 करोड़ की राशि की स्वीकृति दी गई है। अब इस राशि से जल्द ही इन सड़कों का निर्माण कार्य करवाया जाएगा। काम शुरू न होने के कारण सेक्टर में रहने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टरवासी जल्द से जल्द काम शुरू करवाने और नई सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं। प्राधिकरण की ओर से इन सेक्टरों की सड़क बनाने के लिए 6 करोड़ की राशि की स्वीकृति दी गई है। अब इस राशि से जल्द ही इन सड़कों का निर्माण कार्य करवाया जाएगा।सेक्टर 18 के प्रधान बलबीर सिंह, विजेंद्र मोर, बलवंत चहल, सुनील कुमार, नरेश व 21 के रहने वाले संदीप और विनोद ने बताया कि सेक्टर में सड़कों की हालत खराब हो चुकी है। बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। हर समय सड़कों पर धूल उड़ती रहती है। दोपहिया वाहन चलाने वाले इन पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं, लेकिन काम शुरू नहीं किया जा रहा।

बरसाती नाले बनाए जा रहे: सिंह

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता धर्मवीर सिंह ने बताया कि सेक्टर 21 में इस समय बरसाती पानी निकासी के लिए नाले बनाए जा रहे हैं, जिस कारण वहां पर काम शुरू नहीं हो पाया। वहीं सेक्टर 18 में जल्द से जल्द काम शुरू कर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों सेक्टर में अगले सप्ताह काम शुरू होने की पूरी उम्मीद है। सेक्टर वासियों को जल्द समस्या से निजात दिलाई जाएगी।

निर्माण की अनुमति

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से इन्हें नए सिरे से बनाया जाना है। इस संबंध में वे कई बार अधिकारियों से मिल चुके हैं। मशक्कत के बाद तो सड़कों को बनाने के लिए बजट आया और उसे अप्रूव किया गया, लेकिन अब सारा कुछ होने के बावजूद काम शुरू नहीं हो रहा है। सड़कों पर बने गड्ढे और उनमें फैली कंकरीट दो पहिया वाहन चलाने वाले लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। मांग की है कि जल्द से जल्द सड़कों को नए सिरे से बनाया जाए, ताकि सेक्टर वासियों को राहत मिल सके।

धुंध के चलते हाइड्रोजन गैस में मॉयश्चर, सुखाने का काम प्रारंभ

सब ठीक होने पर होगा ट्रेन का ट्रायल

मॉयश्चर के कारण हाइड्रोजन गैस में रह जाती है आक्सीजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पिछले तीन दिन से अल सुबह पड़ रही धुंध के चलते हाइड्रोजन गैस में मॉयश्चर हो गई है। मॉयश्चर के कारण हाइड्रोजन गैस में आक्सीजन रह जाती है। अब हाइड्रोजन गैस में मॉयश्चर को सुखाया जाएगा। साथ ही टीम द्वारा इस पर काम किया जा रहा है कि भविष्य में भी हाइड्रोजन गैस में मॉयश्चर नहीं बने। इसके बाद ट्रेन में हाइड्रोजन भरी जाएगी। ट्रेन 360 किलोग्राम हाइड्रोजन में 180 किमी का सफ र करेगी। ट्रेनों में आवाज नहीं होगी। इसलिए इनमें यात्री आरामदायक सफ र कर सकेंगे। जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। यह ट्रेन 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। 11 दिन से हाइड्रोजन प्लांट में ट्रेन का स्टेशनरी ट्रायल जारी है। टीम ट्रेन की टेस्टिंग कर रही है। इसमें सुरक्षा नियंत्रण उपकरण, स्पीड सेंसर व कंट्रोल सिस्टम को अलग-अलग गति पर परखा जा रहा है ताकि जब ट्रेन ट्रैक पर उतरे तो ट्रेन निर्धारित मानकों के अनुसार सुरक्षित रूप से संचालित हो सके। स्टेशनरी ट्रायल पूरा होने के बाद रनिंग ट्रायल होगा। जिसमें अभी कुछ समय लग सकता है। रनिंग ट्रायल से पहले फि टनेस जांची जा रही है। गौरतलब है कि जींद से सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलेगी। ट्रेक पर उतरने से पहले रेलवे अधिकारी इसकी पूरी तरह जांच करने में लगे हुए हैं।

यात्रियों को फायदा

रेलवे इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर कोई कसर नहीं रखना चाहती। इसके लिए हर चीज की बारीकी से जांच की जा रही है। इसी के चलते हाइड्रोजन प्लांट में पिछले 11 दिन से जांच जारी है। इस ट्रेन को ईंधन आपूर्ति के लिए हाइड्रोजन प्लांट को अंतिम कमीशनिंग एवं नियमित संचालन के दौरान स्थिर और निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। हाइड्रोजन गैस से चलने वाले इंजन धुएं की बजाय भाप और पानी छोड़ेंगे। इसलिए इसमें धुआं नहीं निकलेगा और पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होगा। इस समय जींद-सोनीपत रूट पर तीन ट्रेन चल रही हैं। हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रैक पर उतरने पर यात्रियों को फायदा होगा। एक घंटा में लोग सोनीपत पहुंच सकेंगे।

एक ही दिन में 103 इंतकाल मंजूर किए

गुहला-चीका। गुहला तहसील परिसर में लंबित इंतकालों के त्वरित समाधान के लिए एक विशेष खुला दरबार आयोजित किया गया। राजस्व विभाग के इस कदम से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है। दरबार में कुल 103 इंतकालों को मौके पर ही मंजूरी प्रदान कर दी गई। जिला राजस्व अधिकारी चंद्र मोहन ने कहा कि इस खुले दरबार का मुख्य उद्देश्य उन इंतकालों का निपटारा करना था। संबंधित पटवारियों और कानूनगो को रिकॉर्ड के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे, जिससे दस्तावेजों की मौके पर ही जांच कर उन्हें तुरंत सत्यापित किया गया। रविवार को 103 इंतकालों को मंजूरी देकर उनके भू-अभिलेख रिकॉर्ड को अपडेट कर दिया गया। इससे मालिकों को अपनी जमीन की खरीद-फरोख्त या बैंक लोन लेने में सुगमता होगी।

ठंड ने छुड़ाई कंपकंपी, बुजुर्गों और बच्चों की बढ़ी परेशानी

कैथल: सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा रविवार, न्यूनतम तापमान 2°

दोपहर के समय सूर्य देवता ने लोगों को कुछ समय के लिए राहत दिलाई

सड़कें रही सुनसान, अभी ठंड से राहत के आसार नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जींद। खेत में खिली फसल। *फोटो :हरिभूमि*

जिले में पिछले 5 दिन से सर्दी का प्रकोप बढ़ने से पारा जमने के कगार पर पहुंच गया है। इस समय सुबह व शाम के समय सूखी ठंड लोगों को अधिक परेशान कर रही है। पूरे दिन पश्चिमी दिशा से चल रही ठंडी हवाओं ने आम जनजीवन को कंपकंपी में डाल दिया है। ठंड के चलते लोगों को घरों से बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग अनुसार इस सीजन में न्यूनतम तापमान गिरकर 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। रविवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं के कारण तापमान और भी कम महसूस हुआ। सुबह के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। दोपहर में धूप निकलने के बाद लोगों को कुछ समय के लिए राहत जरूर मिली, लेकिन धूप कमजोर रहने के कारण ठंड का असर बना रहा। शाम होते ही एक बार फिर सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। दोपहर के समय धूप आने के बाद शहर के जवाहर व चिल्ड्रन पार्क में भी लोगों भी भीड़ रही और बच्चों ने आनंद लिया। वहीं, बढ़ रही ठंड के बीच डॉक्टरों ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को ठंड से बचाव की सलाह दी है। गर्म कपड़े पहनने, सुबह व शाम अनावश्यक बाहर न निकलने और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। आने वाले दिनों में मौसम और ठंडा रहने की संभावना जताई जा रही है, जिससे सर्दी का असर और बढ़ सकता है।

चार दिन तक राहत नहीं

कृषि विज्ञान केंद्र, कैथल के मुख्य समन्वयक डॉ. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि इस समय पहाड़ों में काफी बर्फबारी हो रही है। इस बर्फबारी के कारण पश्चिमी दिशा से चल रही ठंडी हवाएं मकर संक्राति तक ऐसे ही जारी रहेगी। इस कारण अगले 4 दिन तक ठंड से राहत नहीं मिलने की उम्मीद है। सुबह व शाम के समय भी हल्का कोहरा छाने के साथ एक से दो दिन तक बारिश की भी संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री दर्ज किया गया।

रूम हीटर का प्रयोग करें

उन्होंने बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें, लेकिन रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है।

एडवाइजरी जारी

डीसी अपराजिता ने बढ़ती ठंड के चलते शीत-घात से बचाव को लेकर जिला प्रशासन ने सरकार के निर्देशानुसार विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीसी ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील भी की है। इन दिनों जिले में शीतलहर चल रही है। इसी के मद्देनजर हम सावधानी बरतकर शीत घात से बच सकते हैं। ठंड एवं शीतलहर से बचाव के लिए इन बातों की पालना जरूर करें।

शीत लहर ने लोगों को सताया

जींद। पिछले कई दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड ने रविवार को और ज्यादा परेशान किया। रविवार को सुबह नौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली शीत लहर ने लोगों को कांपने पर मजबूर कर दिया। रविवार का दिन अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा। रविवार को न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तथा अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहा। 12 बजे के बाद निकली धूप ने लोगों को ठंड से काफी राहत दी। सुबह हल्का कोहरा छायाए लेकिन हवा की गति तेज होने से कोहरा जल्द ही छंट गया। मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। पिछले एक सप्ताह से जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। एक सप्ताह से सुबह के समय हल्का कोहरा गिर रहा है, जो तेज हवा के साथ ही छंट जाता है। बीच-बीच में कुछ देर के लिए धूप भी निकलती है लेकिन शाम होते-होते तेज हवाओं के साथ शीतलहर चलनी शुरू हो जाती है।

कांग्रेस गांधीवादी तरीके से उठा रही आवाज: रिषिपाल

मनरेगा खत्म करने के विरोध में रखा एक दिवसीय उपवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। धरने पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बचाने के लिए जिले में आंदोलन तेज कर दिया है। मनरेगा बचाओ अभियान के तहत रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जींद जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक रानी तालाब के समीप भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास एक दिवसीय उपवास रखकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा बहाली की मांग को पुरजोर तरीक से उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस के जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से मेहनतकश, गरीब और ग्रामीण श्रमिकों की आवाज उठाती रही है। मनरेगा कांग्रेस सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि रही है, जिसके तहत देश के करोड़ों ग्रामीण मजदूरों को हर वर्ष 100 दिन का रोजगार पाने का कानूनी अधिकार मिला। यह कानून ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना और पलायन रोकने में भी सहायक सिद्ध हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान मोदी सरकार ने मनरेगा को कमजोर करते हुए इसे समाप्त कर विकसित भारत रोजगार आजीविका मिशन अधिनियम वीबीजी रामजी जैसा नया कानून लागू किया है, जिससे मजदूर वर्ग के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि मनरेगा खत्म होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सिमट गए हैं और लाखों परिवारों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल रही, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर हो रही है।

विश्व कराटे चैंपियनशिप में अलिसा ने जीता ब्रॉन्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

मोहना की अलिसा ने जॉर्जिया में आयोजित विश्व कराटे चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। अलिसा की यह उपलब्धि छोटे गांवों की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। 10 जनवरी को जॉर्जिया में हुई विश्व कराटे चैंपियनशिप में अलिसा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एशियन कराटे चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज जीतकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर पर अलिसा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है।

कई पदक जीत चुकी

लगातार 6 बार नेशनल कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही, उन्होंने 2 बार कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।यूनिवर्सिटी स्तर पर भी अलिसा ने निरंतर सफलता प्राप्त की है। अलिसा लगातार 4 बार ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। दक्षिण एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भी उन्होंने गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारवार्ता में बोले सांसद नवीन जिंदल

विपक्ष रोजगार अधिनियम पर फैला रहा भ्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। सांसद नवीन जिंदल जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए।

जिला भाजपा कार्यालय कपिल कमल में विकसित भारत—गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और झूठ को उजागर करने के उद्देश्य से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने की, जबकि कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नवीन जिंदल मुख्य वक्ता के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद के दोनों सदनों द्वारा "विकसित भारत—रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण): वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025" को मंजूरी दी जा चुकी है। यह अधिनियम ग्रामीण भारत के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है, जो विकसित गांवों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल इस अधिनियम को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रम फैलाने और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि यह अधिनियम मजदूरों, किसानों और ग्रामीण परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लाया गया है।

ये रहे मौजूद

सांसद नवीन जिंदल ने बताया कि इस नए अधिनियम के अंतर्गत अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। तय समय में काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते के प्रावधान को और अधिक सशक्त किया गया है तथा मजदूरी में देरी होने पर अतिरिक्त राशि देने का भी स्पष्ट प्रावधान किया गया है। प्रेस वार्ता में वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, सुरेश संधू व मुनीष शर्मा, राजरामन दीक्षित, हिमांशु गोयल, वीरेंद्र बतरा आदि उपस्थित थे।

गांव बाता में सजुमा रोड से गांव को जाने वाली मुख्य गली में जमा कीचड़ व गंदा पानी

दूषित पानी की निकासी न होने से आमजन परेशान

कलायत। कलायत के गांव बाता में पिछले काफी समय से ग्रामीणों का जीवन नरक बना है। नाथवान पट्टी स्थित तालाब के ओवरफ्लो होने से ये हालात पैदा हो गए हैं। तालाब का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सजुमा रोड की मुख्य गली में जमा हो गया है। इससे मार्ग पर बिना बरसात के घुटनों तक पानी जमा हो गया है। ग्रामीण विवश होकर कीचड़ से निकल एक से दूसरे स्थान पर जा रहे हैं। एडवोकेट सुल्तान सिंह गोल्डी, जगदीश और सुभाष ने बताया कि तालाब की निकासी न होने से गंदा पानी घरों व गलियों में दस्तक दे रहा है। बस स्टैंड से गांव को जोड़ने वाली इस मुख्य मार्ग पर जलभराव के कारण चारों तरफ गंदगी का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार कई एकड़ में फैले इस तालाब के पानी की निकासी का कोई स्थाई प्रबंध न होने से हर साल यह समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि मुख्य मार्ग को कीचड़ मुक्त करने और जल निकासी के लिए जल्द से जल्द पुख्ता इंतजाम किए जाएं। ताकि स्थानीय लोगों को इस बदतर स्थिति से निजात मिल सके। खंड के ग्रामीण अंचल में बुनियादी सुविधाओं के ढांचे को मजबूती देने की बजाए विभिन्न तरह के गोलमालों को लेकर समाज सेवी संगठन एकजुट है।

सांस्कृतिक विरासत

हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्राचीन राखीगढ़ी एक महत्वपूर्ण सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। इसे अब तक के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक माना जाता है, जहाँ प्राक-हड़प्पा और परिपक्व हड़प्पा काल के प्रमाण मिलते हैं। इससे यह प्राचीन भारतीय सभ्यताओं की समझ के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक प्रतिष्ठित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पारिवारिक संबंधों की सुदृढ़ नींव है पर्व 'संकरात'

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दु:प्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है।

पर्व

डा. रमाकांता

बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

हरियाणा प्रदेश को पर्व-व्रतों का प्रदेश होने का भी गौरव प्राप्त है। यहां त्योहारों को प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान प्राप्त है। सप्ताह के सातों दिन पर्व अथवा व्रत के रूप में मनाए जाते हैं। एक महीने में कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष, दो एकादशी, एक पूर्णिमा, एक अमावस्या व्रत होते हुए भी यहां पर्व तथा व्रतों की लम्बी श्रृंखला है, जिनमें कुछ पर्व ऋतु प्रधान हैं तथा कुछ ऋतु परिवर्तन पर आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं में सामण-फागण, तीज, होली तथा दुलेहन्डी प्रमुख हैं। इसी प्रकार ऋतु परिवर्तन के आधार पर मनाए जाने वाले पर्वों में बसन्त पंचमी तथा मकर संक्रांति (संकरात) विशेष रूप से जनमानस में मनाए जाते हैं। हरियाणा प्रदेश में मकर संक्रांति को स्नान-दान, पूजा तथा अर्चना करने के रूप में मनाया जाता है। संक्रांति का अर्थ है एक राशि का दूसरी राशि में प्रवेश करना। यह एक ज्योतिषीय आधारित भूगोलीय परिवर्तन होता है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है। पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवर्तन का प्रभाव जनमानस के जीवन पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इस स्थिति को सन्धि अथवा संक्रांतिकाल कहा जाता है। सूर्य, पृथ्वी लोक का प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। छह मास तक सूर्य उत्तरायण में तथा छह मास दक्षिणायन में होता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर राशि में आ जाता है। इसे पृथ्वी पर लोकमान्यता के अनुसार सूर्यसंक्रमण कहा जाता है। सूर्य की गतिनिर्धारित है इसलिए इनकी तिथियां भी निश्चित होती हैं। केवल लीप वर्ष में एक दिन का अन्तर पड़ जाता है।

मकर संक्रांति के दिन को पुराणों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय देह त्यागने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाभारत में भीष्म पितामह ने शरशय्या पर उत्तरायण की कई दिनों तक की प्रतीक्षा की थी तथा उत्तरायण में ही इच्छा-मृत्यु प्राप्त की थी। 'संकरात' पर्व हरियाणा प्रदेश की लोक संस्कृति की ऐसी धरोहर है जो भविष्य में कभी लुप्त नहीं होगी। समय के कालचक्र का कई पारिवारिक तथा सामाजिक संस्कार ग्रास बन गए किन्तु मकर संक्रान्ति पर हरियाणा के प्रायः सभी वर्गों में घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को मनाने अर्थात मान-सम्मान देने की पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा आज भी जीवित है। हरियाणा प्रदेश के पर्वोत्सवों की यह विशेषता है कि प्रत्येक त्योहार किसी न किसी मानवीय, पशु जीवों, देवी-देवताओं से संबंध रखता है। उदाहरण के लिए सावन बहू-बेटी के मान के लिए, 'देवोठनीग्यास' देवों के जागने, 'तुलसी विवाह', वनस्पति सम्मान, 'गोवर्धन', 'गोपाष्टमी', गऊ संवर्धन के लिए, 'रक्षाबंधन' भाई-बहन के लिए, होली के लिए, पिता-पुत्र के संबंधों, गूंगा नवमी, सर्पों की पूजा इत्यादि निश्चित हैं। इसी श्रृंखला में संकरात का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

इस पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि प्राचीन संयुक्त परिवार के दर्शन इनके निर्वहन में हो जाते हैं। परिवार में छोटे-बड़े की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। एक दादा की वंशावली में 'प्रोटोकोल' का पूरा ध्यान रखकर यह पर्व मनाया जाता है। जैसे दादसरा, दादस, तायसरा, तायस, पित्तस, मौसस, फूफस आदि। यह पर्व सारे परिवार के सदस्यों को एक सूत्र में बांधने की परम्परा को दर्शाता है। दूसरा लाभ यह भी होता है कि यदि परिवार में किसी प्रकार का मन-मुटाव भी हो तो वह भी एक ही झटके में दूर हो जाता है। सभी इकट्ठे होकर हर्षोल्लास से संकरात मनाते हैं। बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दुःप्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है। स्नान गांव के तालाब अथवा नदी या कुएं पर किया जाता था क्योंकि सबका तीर्थ स्नान करना संभव नहीं होता था। इसके बाद सभी युवा मिलकर गांव की गलियों तथा मैदानों की सफाई करते थे तथा कूड़ा-कर्कट (घास-फूस लकड़ी) आदि एक स्थान पर एकत्रित कर देते थे। उस कूड़े को जला कर सभी इर्द-गिर्द बैठकर आग सेंकते थे तथा ठंड कम करते थे। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होता है कि उन्होंने प्रत्येक पर्व के आयोजन के पीछे स्वस्थ और पर्यावरण की शुद्धि का विचार पहले रखा। संभवतः संकरात पर सफाई करने की योजना से प्रभावित होकर ही वर्तमान में स्कूलों व कॉलेजों में एनएसएस स्कीम चालू की गई होगी। गांव की सामूहिक सफाई, एक ही दिन, सबके द्वारा करने का इतना सटीक व सुन्दर उदाहरण किसी अन्य संस्कृति में मिलना संभवतः दुर्लभ है। संक्रांत के दिन एक पंथ दो काज सिद्ध होते हैं। एक तो सारे गाँव की सफाई, श्रम की बचत, दूसरा सामुदायिक एकता तथा सुदृढ़ भाईचारे की अभिव्यक्ति। इसके पश्चात् सब मिलकर गुड़-तिल का बना मिष्ठान ग्रहण करते हैं तथा सबमें बांटते हैं। आज भी यह प्रथा कहीं-कहीं प्रचलित है। इस दिन महिलाएं स्नानादि से निवृत्त होकर पीपल, बड़ तथा तुलसी की पूजा करती हैं तथा उनमें सम्बन्धित भजन तथा गीत गाती हैं। बड़ को अक्षय सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सावित्री ने भी अपने पति के जीवनदान के लिए बड़-पूजन किया था। एक गीत इस प्रकार गाया जाता है -

तैं चैड़ा चिकणा, तैं विरमा का पूत
तेरी डाली सींच के सदा पावैं हम सुख

इस दिन महिलाएं घर में बढ़िया स्वादिष्ट भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान करती हैं। कभी-कभी भोज्य सामग्री जिसे जनभाषा में 'सिद्धा' कहा जाता है, मन्दिरों अथवा ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन डेरों तथा मंदिरों में भंडारे भी लगाए जाते हैं जिसमें खिचड़ी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन खिचड़ी कबनाने के सन्दर्भ में त्रेतायुग की एक घटना प्रासंगिक है जो आज भी जनमानस में कही सुनी जाती है। इस घटना का सम्बन्ध गुरु गोरखनाथ से है।

पौराणिक कथा में है वर्णन

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) गोरखनाथ की तपस्थली है। एक पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में गोरखनाथ भ्रमण करते-करते हिमाचल प्रदेश के 'ज्वालाजी' स्थान पर गए। वहां उन्हें महामाया ज्वालाजी ने भोजन पर आमंत्रित किया, किन्तु गोरखनाथ ने मांसाहार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज्वालाजी को आग जलाकर तैयार रहने को कहा तथा स्वयं भिक्षा लेकर शीघ्र लौटने की कहकर भिक्षाटन हेतु चले गए। वे अनेक तीर्थों पर गए और अन्त में इरावती नदी के किनारे एक रमणीय स्थान पर एकान्त में तपस्या में लीन हो गए। यह वही स्थान है जहां आज गोरखपुर है। गोरखनाथ फिर कभी वापस ज्वालाजी नहीं गए। गोरखनाथ वहीं सरोवर तट पर एक आसन पर धूना लगाकर बैठ गए। गोरखनाथ की तपःस्थली के आस-पास की जनता में शीघ्र ही यह बात फैल गई कि एक तपस्वी खिचड़ी की भिक्षा लेने हेतु तपोवन में आए हुए हैं। सभी उनके भिक्षा पात्र (खप्पर) में खिचड़ी डालने लगे तथा दर्शन करने लगे। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि असंख्य लोगों द्वारा खप्पर में खिचड़ी डालने पर भी खप्पर सदैव खाली रहता। जनता यह जान चुकी थी कि तपस्वी कोई साधारण पुरुष नहीं अपितु कोई चमत्कारी, सिद्ध व दिव्य पुरुष हैं। एक दिन गोरखनाथ ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बनाई तथा प्रसाद रूप में जनता को बांटने लगे। असंख्य लोग उस प्रसाद को ग्रहण करते किन्तु खप्पर फिर भी भरा ही रहा। यह चमत्कार मकर संक्रांति को हुआ। यह उपक्रम निरन्तर चालू रहा तथा आगे चल कर इस दिन विशेष मेला भी भरने लगा। गोरखनाथ ने जनता को इच्छानुसार बोरियाँ भरकर खिचड़ी ले जाने को कहा। खप्पर से असंख्य लोग खिचड़ी ले गए किन्तु खप्पर यथावत भरा ही रहा। आज भी गोरखपुर में उसी परम्परा का निर्वहन हो रहा है तथा प्रति वर्ष मकर संक्रांति को यहां पर भव्य खिचड़ी (खिच्चड़) मेला आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर भक्तजन दाल, चावल की खिचड़ी का चढ़ावा चढ़ाते हैं तथा अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। निसंदेह आस्थावान व्यक्तियों की सभी कामनाएं इस धूने पर मत्था टेकने से पूर्ण होती हैं। इस स्थान को धर्मनाथ पंथ (बारह पंथ में एक पंथ) का 'मथ्या टेक' भी कहा जाता है।

संकरात पर अपने घर के बुजुर्गों को 'मनाने के लिए' जाते समय महिलाएं जकड़ी गीत गाती हुई जाती हैं। उदाहरण स्वरूप जकड़ी गीत दृष्टव्य है-

सास मनै राजी बोलिए, राजी बोलिए
मां-बाप छोड़ कै आई
बहु ए तनै राजी बोलूं ना, राजी बोलूं ना
मेरी धुर की तील ना ल्याई
रे बहु जगाई जागी कोन्या आपे चाकी झोई
पीस छाण कै चढ़ी चुबारे, फिर बी सूती पाई।

गीत | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

अनेकता में एकता

अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ, मिलै एक मिजान मैं ।।

हर प्रदेश की भाषा न्यारी कई ढाळ की बोली सै ।
म्हारी हिंदी सभ भाषा की बण कै रही बिचौली सै ।
गाम शहरां की हमजोली सै, हरदम रहती ध्यान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

तीज -त्यौहार बरत -बड़ूले सभ के न्यारे न्यारे
कला संस्कृति रीति -रिवाज फैशन के अलग नजारे
एक दूजे के बने सहारे सुख दुःख के दरमियान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

अपणे-अपणे खाण-पाण का लोग लेय चटखारा
मकई बाजरा लिट्टी चोखा इडली डोसा प्यारा
चावल खावै देश यो सारा, मजा मिले मिष्ठान मैं ।
अनेकता में एकता , या देख हिंदुस्तान में।।

कश्मीर से कन्याकुमारी चौपाटी से गौहाटी
वसुधैव कुटुंबकम की निभा रहे परिपाटी
भारत माता की माटी पावन पुनीत विधान मैं ।
अनेकता मैं एकता या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ मिले एक मिजान मैं ।।

लघुकथा | जयदेव राठी

बुजुर्ग की सीख

गाम मैं एक बुजुर्ग आदमी रहै था। उसका नाम था रामसिंह। बुजुर्ग कै धौरै घणी जमीन थी, उनका एक ही बेटा था - धर्म सिंह।

धर्म सिंह बड़ा तेज था। पढ़ाई-लिखाई में होशियार तो था ए, पर उसनै घर के काम-धंधे का कुछ ना आवै था। ना उसनै खेत मै आणा जाणा पडा करता, ना ही उसनै न्यू बेरा था कि खेती क्यूकर करां करै सैं ।

एक दिन रामसिंह नै धर्म सिंह तै कहया, 'बेटा, तू पढ़-लिख ल्यो तो बोहत अच्छी बात सै, पर जमीन तै जुड़ना भी जरूरी सै। चल मेरे गेल्यां खेतां मैं।'

धर्म सिंह नै मन मसोस कै हां कर दी। रामसिंह उसनै खेतां में ले ग्या सारा दैन उन्नै धर्म सिंह ताईं मिट्टी, पाणी, फसल, अर बीज के बारै मै बताया।

धर्म सिंह नै सोच्या, 'यो सब तो बोहत आसान काम सै।' पर जब उसनै खुद हळ चलाण की कोशिश करी, तो उसकै हाथ मै छाळे पड़ गे।

रामसिंह मुस्कराया अर बोल्या, 'बेटा, किताबी ज्ञान अर धरती का ज्ञान दोन्नु जरूरी होवैं सैं। एक बिना दूसरै कै अधूरा सै।

उस दैन तै धर्म सिंह रोज थोड़ा-थोड़ा खेतां में काम करण लाग ग्या । उसनै समझ आ गी के असली ताकत तो मेहनत अर धरती तै जुड़े रहण मै सै।

आज धर्म सिंह एक बड़ा अफसर सै, पर उसकै घर मैं उसकी अपणी छोटी-सी बगिया सै जित वो अपणे हाथ्यां तै सब्जी उगावै सै। बाबा की सीख उसनै हमेशा याद रहवै सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत | यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं

करवट लेता इतिहास है हिसार जिले का 'राखीगढ़ी'

सभ्यता | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वास्तव में राखीगढ़ी के टीले महज मिट्टी के ढेर नहीं हैं; ये हमारे स्वाभिमान के स्तंभ हैं। यह महोत्सव और यहाँ चल रहा शोध कार्य आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि सभ्यता का सूर्य पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की इसी धरती से उदित हुआ था। डॉ. चंद्र त्रिखा के शब्दों में कहें तो, विसंगतियों से भरे इस उपमहाद्वीप में, राखीगढ़ी ने हमें हमारा खोया हुआ गौरव लौटा दिया है।

हमें स्कूलों में यही पढ़ाया गया कि हमारी प्राचीनता के प्रमाण 'हड़प्पा' और 'मोहनजोदड़ो' विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। भारतीयों के मन में एक कसक थी कि सिंधु घाटी सभ्यता की धड़कन सीमा के उस पार है, लेकिन हरियाणा के हिसार जिले के 'राखीगढ़ी' गाँव ने इस धारणा को अब पूरी तरह से बदल दिया है। माना जा रहा है कि हड़प्पा सभ्यता का शरीर भले ही पाकिस्तान में हो, लेकिन उसकी 'आत्मा' यानि उसकी 'राजधानी' हरियाणा की माटी में दबी हुई है।

पुरातत्व की दुनिया में राखीगढ़ी ने एक नई अवधारणा स्थापित कर दी है। डेक्कन कॉलेज, पुणे के विख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. वसंत शिंदे और हरियाणा पुरातत्व विभाग के संयुक्त शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह कोई सामान्य बस्ती नहीं थी। जहाँ हम हड़प्पा और मोहनजोदड़ो का गुणगान करते थे, वहीं राखीगढ़ी का फैलाव लगभग 5500 हेक्टेयर क्षेत्र में था। यह आँकड़ा इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे विशाल नगर घोषित करता है। समय के पहिये को पीछे घुमाएं, तो कार्बन डेटिंग बताती है कि आरजीआर-6 से प्राप्त अवशेष 6500 वर्ष पुराने हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जब मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यताएं शैशवावस्था में थीं, तब हरियाणा के मैदानों में एक उन्नत समाज सांस ले रहा था। राखीगढ़ी की खुदाई में मिले साक्ष्य हमें उस दौर की 'इंजीनियरिंग' और 'लग्जरी' से रूबरू कराते हैं। यहाँ नियोजित सड़कें और गलियाँ मिली हैं, जिनकी चौड़ाई मुख्य मार्गों में अधिक तथा आवासीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थी। ये राजस्थान के कालीबंगा की सड़कों से भी अधिक चौड़ी हैं। यह इस बात का सबूत है कि यहाँ व्यापार और आवागमन भारी मात्रा में होता था। खुदाई में यहाँ तांबे के औजार,

टेराकोटा की प्रतिमाएँ, मनके तथा सोने–चाँदी के आभूषण प्राप्त हुए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राखीगढ़ी एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। यहाँ के लोग कला-प्रेमी थे और उनका जीवन स्तर बहुत ऊंचा था। उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यहाँ आभूषणों का उपयोग और संभवतः निर्माण होता था, जबकि धातु-प्रसंस्करण के कुछ चरण अन्य हड़प्पा केंद्रों से जुड़े रहे होंगे। राखीगढ़ी का सबसे रोमांचक पहलू वह है, जो जमीन के नीचे सोया हुआ है। यहाँ कुल 9 टीले हैं। खुदाई के दौरान विशेषकर आरजीआर-7 में ऐसे कंकाल मिले हैं जो हमारे पूर्वजों की कहानी सुनाते हैं। सबसे अद्भुत खोज लकड़ी के ताबूत में मिला एक कंकाल है। 5000 साल पहले लकड़ी के ताबूत में अंतिम संस्कार करना एक विशिष्ट प्रथा थी, जो संभवतः किसी कुलीन या महत्वपूर्ण व्यक्ति के लिए अपनाई जाती होगी। इन कब्रों पर छतरियां बनाने की प्रथा के भी संकेत मिले हैं। कंकालों का सिर उत्तर दिशा की ओर रखा गया था और उनके पास खाने-पीने के बर्तन रखे गए थे, जो यह बताते हैं कि वे लोग मृत्यु के बाद के जीवन में भी विश्वास रखते थे। अब इन अवशेषों का डीएनए विश्लेषण यह राज खोलेगा कि 5500 वर्ष पूर्व लोगों की शारीरिक संरचना और खान-पान कैसा होता होगा।

इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि यह शहर अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती, दृषद्वती और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बसा था। यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं। यहाँ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियां और सोख्ता गड्ढे मिले हैं, जो बताते हैं कि वे जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति कितने जागरूक थे। मई 2012 में जब 'ग्लोबल हेरिटेज फंड' ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 विरासत स्थलों में शामिल किया, जिनके नष्ट होने का खतरा था, तो यह एक चेतावनी थी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। हाल ही में आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव' में लाखों लोगों ने शिरकत की और अपनी आँखों से 5000 साल पुरानी दीवारों को देखा। हरियाणा सरकार ने इस स्थल के संरक्षण और विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अनुदान घोषित किया है। यहाँ एक विश्व स्तरीय संग्रहालय और शोध केंद्र बन रहा है, जिसकी देखरेख का दायित्व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को सौंपा गया है।

नाकामियों से डरना नहीं चाहिए : सुशील दहिया

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

पिंक फिल्म के रंजीत शेरावत, 'रॉक स्टार' के कॉप, 'नो वन किल्ड जैसिका' के आरडी सर, 'थप्पड़' फिल्मके रोमेश सबरवाल, 'बैंड बाजा बारात' फिल्म के ब्रिगेडियर, 'तलवार' के लॉयर, 'मुखबिर' फिल्म के हिदायत अली, 'रेड 2' के चीफ़ मिनिस्टर व 'गोल्ड' के बलदेव सिंह का प्रमुख किरदार निभाने वाले सुशील दहिया अभिनय की दुनिया में अपनी सशक्त पहचान बना चुके हैं।

इन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन, इरफ़ान खान, सैफ अली खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, रणदीप हुड्डा, प्रकाश राज, विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, जैसे नामी कलाकारों के साथ काम करके अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बता दें कि अभिनेता सुशील दहिया हरियाणा की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उन गिनी-चुनी शख्सियतों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि विदेशी फिल्मों में भी नाम कमाया है। अपनी ग़ज़ब की अंग्रेज़ी बोलचाल की शैली और अभिनय के कारण इनको हरियाणा के 'सईद जाफ़री' के नाम से भी जाना जाता है। सुशील दहिया का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के स्तर तक पहुंचने का सफर बहुत अच्छा रहा। इसमें उन्हें कुछ चैलेंज ज़रूर आए पर जल्द ही उन्होंने उन पर क़ाबू पा लिया। हालांकि, जिस दौर में वह अभिनय की दुनिया में आए, उस समय हरियाणा में इतना काम नहीं हो रहा था। चूँकि उनकी शुरुआत दिल्ली में रंगमंच से हुई थी, इसलिए

हरियाणा में काम की कमी से उन पर ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ा। सुशील ने नेशनल व इंटरनेशनल दोनों स्तर पर काम किया है और अपनी बुलंदी के झंडे भी गाड़े हैं। इनका मानना है कि दोनों में ही मूलभूत अंतर है। अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन वेल्यूज़ बिल्कुल अलग हैं। वहां उच्च दर्जे की प्रोफेशनलिज्म मिलती है। कोई बड़ा छोटा एक्टर नहीं, बल्कि सभी को तक़रीबन एक समान सम्मान मिलता है। इसके विपरीत राष्ट्रीय लेवल में "लीड कास्ट" का वातावरण होता है। हरियाणवी सिनेमा जगत के संदर्भ में ये मानते हैं कि हरियाणा में बेशक सिनेमा की ज़मीन तैयार हो गई है लेकिन निर्माता और दर्शकों की कमी के मामले में यहाँ काफ़ी काम किए जाने की ज़रूरत है। दर्शकों को अगर अच्छा सिनेमा देखने को मिलेगा तो वो इससे जुड़ जाएंगे। अब शायद हरियाणा प्रोड्यूसर्स को ऐतिहासिक कहानियों से आगे सामाजिक, आधुनिक परिस्थितियों पर सोच-विचार करना चाहिए। सुशील दहिया ने कई विदेशी फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अपनी पृष्ठभूमि के लिए भी काम करना चाहते हैं। इसके लिए वह तीन साल से कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सुशील दहिया के शब्दों में- 'मैं चाहता हूँ कि हरियाणा में काम मिले। कोई यूँ कह के टाल देता है कि महंगे होंगे, कोई यूँ कहकर कि इतना ज़्यादा अनुभव नहीं चाहिए। मगर बात कोई नहीं करता और मुझसे डायरेक्ट बात किए बगैर ही दूर रहतें हैं।' कैरियर के शुरुआती दौर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उनकी सबसे ज्यादा मदद उनके ख़ुद के अनुशासन ने की। इसके अलावा कई अच्छे लोगों ने भरपूर मदद की, पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम लेना उचित नहीं हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि अभिनय के क्षेत्र में इतना अच्छा करने पर भी अभिनय का इन्होंने कोई ख़ास प्रशिक्षण नहीं लिया। बस स्कूल और कॉलेज में जो सीखा, वही उनके काम आ रहा है। इसलिए वह अनुभव को ही अपने अभिनय के प्रशिक्षण के तौर पर देखते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड में इनके पास काम की कोई कमी नहीं है और इन्होंने आने वाले समय में भी कई अच्छ-अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए हैं। इसके बावजूद सुशील हरियाणवी सिनेमा के प्रति अपने जज़्बे को बरकरार रखते हुए उसमें भी एक अभिनेता के रूप में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में अभिनय के जो सशक्त हस्ताक्षर हैं, उनमें अधिकांश के साथ इनको काम करने का अवसर मिला है।

हरियाणा में सिनेमा के क्षेत्र में आगामी पीढ़ी को वह संदेश देते हैं कि उन्हें मेहनत से नहीं डरना चाहिए और न ही अपनी नाकामियों से। जब कामयाबी मिल जाए तो अपने पैर ज़मीन पर ही रखने चाहिए। सदा सैट पर अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। सैट पर सभी की इज़्ज़त करना चाहिए और भाव नहीं खाना चाहिए।

खबर संक्षेप

रोजगार देने के लिए ठोस नीति बनाए सरकार

जींद। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कपूर सिंह ने कहा कि युवा फ्लॉप हैं, उन्हें पढ़ाई नहीं करनी चाहिए और वे नौकरी के योग्य नही हैं। आयोग चेयरमैन यह बयान न केवल लाखों बेरोजगार युवाओं का अपमान है बल्कि सरकार की शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रक्रिया और रोजगार नीति पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। माकपा का मानना है कि यदि 12 साल बाद भी आयोग केवल 151 पदों पर भर्ती कर पा रहा है।

मकान का ताला तोड़ सोलर पैनल चुराया

जींद। सफीदों में बीती रात चोरों ने एक निजी कार्यालय तथा मकान का ताला तोड़ कर सोलर पैनल तथा घरेलू सामान को चोरी कर लिया। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी नरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने कार्यालय का ताला तोड़ कर सोलर पैनल तथा बैटरियों को चोरी कर लिया है।

पारित वित्त विधेयक 2025 को वापस लेने की मांग

जींद। स्थानीय अक्षर भवन में रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सचिव राजकुमार श्योकंद ने किया। राज्य कमेटी की तरफ से छज्जूराम नैन व आजाद पांचाल ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा कि आठवें वेतन आयोग में पारित वित्त विधेयक 2025 को वापस लिया जाए।

सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक हुई

जींद। हरियाणा ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के सफीदों ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन की तैयारी के लिए नागक्षेत्र सफीदों में बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सत्यवान आफताबगढ़ ने की। बैठक में मुख्य रूप से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के कई मुद्दों परम मंथन किया गया। इनमें हाईकोर्ट के फैसले को तुरंत लागू करवाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की गई।

सामाजिक कार्यों के लिए डा. रणधीर सम्मानित

जींद। पेयजल संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, पौधरोपण,समर्पित एवं प्रेरणादायक उल्लेखनीय कार्य के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार डा. रणधीर मताना को आयोजित एक कार्यक्रम में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने प्रशंसा प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह व शाल देकर सम्मानित किया।

मन की शांति के लिए हर पल परमात्मा को याद करें

राजौंद। कैथल रोड पर स्थित प्रजापति आश्रम में परम पिता श्री ब्रह्म के जीवन चरित्र के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असंध आश्रम से आई बहन ऊषा व बहन नीलम ने परम पिता श्री ब्रह्मा द्वारा दी शिक्षा जैसे उपकारियों पर उपकार करना, निंदा करने वाले पर फूल बरसाना, मन वचन क्रम से पवित्र बनना इत्यादि बातों से भाई-बहनों को अवगत करवाते बातों को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया।

भारतीय शिक्षण मंडल ने कुलगुरु का स्वागत किया

कैथल। भारतीय शिक्षण मंडल के भारतीय ज्ञान संपदा गतिविधि के अखिल भारतीय प्रमुख प्रो राजेंद्र अनायत के महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विवि के कुलगुरु पद का कार्यभार ग्रहण करने पर भारतीय शिक्षण मंडल जिला संयोजक डॉ महेश के नेतृत्व में सम्मानित किया।

महिलाओं को उपलब्ध करवाया जा रहा ऋण

कैथल। महिला विकास निगम के जिला प्रबंधक शशि बाला ने बताया कि योजना के अंतर्गत महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य व शिक्षा के प्रति जागरूक करके समृद्ध बनाना है। कुछ परिवार महिलाओं को उच्च शिक्षा देने से रोक दिया जाता है। ऋण पर ब्याज दर के भार को कम करने के लिए शिक्षा ऋण पर 5% ब्याज दर पर सब्सिडी देने की पहल की है।

समारोह में कैबिनेट मंत्री ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

सफाई कर्मचारी समाज को स्वच्छ व स्वस्थ बनाए रखने का आधार : बेदी

धर्मशाला के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा

मैढ सुनार सभा ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। समारोह में सफाई कर्मियों को सम्मानित करते हुए मंत्री बेदी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सफाई कर्मचारी समाज की वह मजबूत रीढ़ हैं, जिनके परिश्रम से शहरों और गांवों की स्वच्छता, स्वास्थ्य और गरिमा बनी रहती है। वे हर मौसम, परिस्थिति और चुनौती में निरूस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज को सुरक्षित रखने का कार्य करते हैं। सरकार और समाज दोनों का यह नैतिक दायित्व है कि उनके योगदान को सम्मानए सुरक्षा और अधिकारों के साथ स्वीकार किया जाए। क्योंकि स्वच्छ और स्वस्थ समाज की कल्पना उनके बिना अधूरी है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी रविवार को मकर संक्रांति के उपलक्ष में सैक्टर 6 स्थित महाराज अजमीढ़ भवन एवं सुनार धर्मशाला जींद में मैढ़ सुनार सभा द्वारा आयोजित सफाई कर्मचारी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुनार समाज की निर्माणाधीन धर्मशाला के लिए 11 लाख रुपये की धन राशि देने की भी घोषणा की। इस अवसर पर हरियाणा राज्य सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के प्रतिनिधि के रूप में उनके पुत्र रूद्राक्ष मिड्ढा बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुनार समाज के आराध्य महाराज अजमीढ के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्वलित करके किया। समारोह के दौरान समाज में स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया । मंत्री ने कहा कि यदि समाज में सभी लोग केवल एक ही कार्य करें तो संतुलन संभव नही है। किसान अन्नदाता है, डॉक्टर जीवनदाता है, सैनिक देश रक्षक है और सफाई कर्मचारी समाज को स्वच्छ व स्वस्थ बनाए रखने का आधार हैं। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नही बल्कि समाज को सही दिशा दिखाने का माध्यम भी है। सफाई कर्मचारी समाज को वह रास्ता दिखाते हैंए जिस पर चलकर विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि आज समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि स्वच्छता के बिना कोई भी व्यवस्था सफल नहीं हो सकती। कैबिनेट मंत्री ने मैढ़ सुनार सभा द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने वाले महापुरुषों और संतों के योगदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है और आज उनकी जयंती व पुण्यतिथियों को गरिमा के साथ मनाने का कार्य भाजपा की सरकार कर रही है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं सफाई कर्मचारियों के पैरों को साफ कर उनके श्रमए त्याग और सम्मान को पूरे देश के सामने प्रतिष्ठित किया है। यह संदेश देता है कि सफाई कर्मचारी समाज के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनका सम्मान राष्ट्र का सम्मान है। सरकार ने चुनावी वादों को पूरा करते लाडो लक्ष्मी योजना को लागू किया है।

ये रहे मौजूद

सुनार सभा द्वारा चलाए जा रहे सेल्फी विद सफाई कर्मचारी अभियान का कैबिनेट मंत्री ने रिबन काट कर शुभारंभ किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते कहा कि ऐसे अभियान समाज में सम्मान, समानता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। सम्मान समारोह में युवा नेता रुद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि हमारा रिश्ता सुनार समाज के साथ पीढ़ियों पुराना है। मेरे दादा ने भी समाज की सेवा की, मेरे पिता ने भी और आज मैं भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा हूं। समाज ने हम पर जो भी जिम्मेदारी सौंपी है। उसे निभाने का हमने हमेशा ईमानदारी से प्रयास किया है और आगे भी समाज जो दायित्व देगाए उसे पूरी निष्ठा से निभाते रहेंगे। अमरपाल राणा ने कहा कि हम सबका कर्तव्य है कि सफाई कर्मचारियों को केवल काम के समय नही बल्कि हर समय सम्मान दें। इन सभी के भरोसे ही हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर बना रहता है। इस समारोह में समाज में स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले 90 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में मैढ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी, महासचिव रामभेहर वर्मा, बनारसीदास वर्मा, राजकुमार सोनी, नरेश सोनी, रमेश वर्मा, गौरव सोनी, कृष्ण पटवारी, महाबीर प्रसाद सोनी, रामकुमार, मनफूल सिंह वर्मा, इंद्र सिंह, राजेंद्र सोनी, अमित वर्मा, राधेश्याम सोनी आदि मौजूद थे।

भाजपा राज में मनरेगा की हत्या : रणदीप

प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार पर बोला तीखा हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला पत्रकारों से बातचीत करते।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल में आयोजित एक प्रेस वार्ता में केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा हाल ही में पारित विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार तथा आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की /"दिनदहाड़े हत्या/" करार दिया। सुरजेवाला ने कहा कि यह नया कानून करोड़ों मजदूरों और गरीबों के अधिकारों पर सीधा डाका है। यह मेहनतकश वर्ग की रोजी-रोटी पर हमला है, गरीबों के काम मांगने के मौलिक अधिकार का हनन है और मजदूरों के हकों पर कुठाराघात है। उन्होंने इसे एससी/एसटी/ओबीसी समाज के मनरेगा मजदूरों को सामाजिक न्याय से वंचित करने की साजिश बताया। साथ ही, इसे गोडसे के अनुयायियों द्वारा महात्मा गांधी के दर्शन को खत्म करने की एक और कोशिश करार दिया। मनरेगा में मजदूरी का पूरा बजट केंद्र सरकार देती थी, लेकिन नए कानून में केंद्र केवल 60% देगी और 40% राज्य सरकार को देना होगा।

जींद। डीईओ गितेश को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कर्मचारी ऑफ द मंथ घोषित

जींद। नागरिक अस्पताल में कर्मचारी ऑफ मंथ के तौर पर क्वालिटी एमओ डा. प्रिंस व डीईओ गितेश को चुना गया है। दोनों ही स्वास्थ्यकर्मियों को पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया व डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। क्वालिटी मेडिकल ऑफिसर (क्वालिटी एमओ) डा. प्रिंस और डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीईओ) गितेश को उनके बेहतरीन कार्य और समर्पण के लिए यह खिताब दिया गया है। दोनों अधिकारियों ने डा. प्रिंस और गितेश की सराहना करते कहा कि इनके निरंतर प्रयासों से अस्पताल में मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल रही हैं और गुणवत्ता बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। डॉ प्रिंस ने क्वालिटी सुनिश्चित करने में विशेष भूमिका निभाई है जबकि गितेश ने डाटा मैनेजमेंट और रिकॉर्ड रखरखाव में शानदार प्रदर्शन किया है। यह पहल अस्पताल प्रशासन द्वारा कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और उत्कृष्ट कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है।

सरकार ने मजदूरों का खत्म किया रोजगार : नायडू

जींद। जननायक जनता पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजेंद्र नायडू ने कहा कि भाजपा सरकार ने मजदूर लोगों का मनरेगा को खत्म कर रोजगार खत्म कर दिया है। बीजेपी सरकार कहती कुछ है और करती कुछ है इसकी करनी और कथनी में फर्क है। इसी प्रकार हरियाणा के पढ़े लिखे युवा रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकामयाब है और युवाओं के साथ धोखाधड़ी कर रही है। हरियाणा प्रदेश में दो ही चीजों को बढ़ावा मिला है बेरोजगारी और भ्रष्टाचारी। रोजगार के लिए युवा सड़कों पर हैं और भ्रष्ट आदमी सरेआम भ्रष्टाचार कर रहे हैं। उन्हें रोकने व टोकने वाला कोई नही है। हरियाणा प्रदेश में आए दिन दिनदहाड़े हत्याएं, लूट, बलात्कार आम बात हो गई है। जगह-जगह पर अवैध कब्जाधारी कब्जे करने पर लगे हुए हैं। जिन्हें सरकार का किसी प्रकार का कोई डर नही है।

दो दिवसीय सम्मेलन 14 से प्रारंभ होगा

जींद। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के तत्वाधान में जिला बार एसो हॉल में बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्षता डा. सुरेश जैन और एडवोकेट विजय कुमार ने की। बैठक के संचालक जिलाध्यक्ष एवं राज्य उपप्रधान सोहनदास ने बताया कि हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति जींद का 12वां दो दिवसीय सम्मेलन आगामी 14 व 15 फरवरी को बैरागी धर्मशाला में आयोजित होगा। जिसमें ओपन सेशन के बाद सांस्कृतिक गतिविधियां गीत, रागिनी, कविता पाठके साथ संगठन को मजबूत करने की विभिन्न गतिविधियों एवं भावी नीतियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की जाएगी। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति जन आंदोलन के विभिन्न मुद्दों महिलाओं के उत्पीडन, पर्यावरण सुरक्षा, जातिवाद, अंधविश्वास, सांप्रदायिकता, अवैध खनन जैसे गंभीर मुद्दों पर विरोध जताते हुए सामाजिक न्याय, जहरमुक्त खेती, स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु आदि महत्वपूर्ण मानव कल्याणकारी विषयों का समर्थन करती है। समाध्यक्ष डा. सुरेश जैन ने बताया कि वर्तमान समय में वैज्ञानिक मानसिकता की बात करना बहुत बड़ी चुनौती है।

नरवाना। समस्याएं सुनते हुए मंत्री बेदी। फोटो :हरिभूमि

टालमटोल की प्रवृति बर्दाश्त नहीं: बेदी

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देश दिए। क्षेत्रवासी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री से मिलने पहुंचे। कैबिनेट मंत्री ने हर व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना और समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान वृद्धावस्था पेंशनए विकलांग पेंशनए विधवा पेंशनए बीपीएल कार्डए राशन कार्डए सामाजिक सुरक्षा योजनाएंए भूमि विवादए नाली निकासीए सीवरेज व्यवस्थाए सड़क मरम्मतए बिजली आपूर्ति तथा जल निकासी जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जन सेवा ही सच्ची सेवा है और जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लापरवाही या टालमटोल की प्रवृति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दुःखों का मुख्य कारण लोभः अरूण चंद्र

उचाना। जींद से विहार करके उचाना मंडी की 22 पंथ एसएस जैन सभा स्थानक पहुंचे गुरू अरूण चंद्र महाराज के शिष्य अतिमुक्त मुनि ने लोभ को दुख का कारण बतलाते हुए कहा कि शरीर व मन के समस्त रोग लोभ से पैदा होते हैं। लोभ की मात्रा घटती नही, मगर दिनों दिन घटने की बजाय निरंतर बढ़ती चली जाती है। प्रभु महावीर ने कहा ज्यों-ज्यों लाभ होता है त्यों-त्यों लोभ और अधिक मात्रा में बढ़ता चला जाता है। आज तक जितने भी युद्ध, मन मुटाव, हिंसा, अत्याचार या अनाचार हुए हैं उसके पीछे एक ही कारण लोभ का रहा है। इंसान की इच्छाएं अनंत होती हैं जो कदापि पूर्ण नहीं हो पाती। इंसान खाली हाथ आता है एवं एक दिन खाली हाथ ही प्रस्थान कर जाता है। उन्होंने कहा कि लोभ तनए मनए धनए जमीन जायदाद या पद प्रतिष्ठा का नानाभांति जीवन में प्रगट होता रहता है। मन में हजारों कल्पनाएं उभरती रहती है। प्रभु महावीर ने इस लोभ को जीतने के लिए संतोष का मार्ग बतलाया। वस्तुओं की मर्यादाओं से ही मन पर काबू पाया जा सकता है। राजा महाराजाओं के युद्ध इसी लोभ के चलते हुए हैं।

जींद। बच्चों को स्वर्णप्राशन औषधि पिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

उचाना में 135 बच्चों को औषधि पिलाई

जींद। उचाना कलां स्थित हनुमान मंदिर में रविवार को स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय चिकित्सा परिषद सदस्य डा. जितेंद्र गिल के नेतृत्व में छोटे बच्चों को स्वर्णप्राशन संस्कार सहित आवश्यक औषधि 135 बच्चों को पिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान डा. जितेंद्र गिल ने बच्चों को दी जाने वाली दवाओं के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उपस्थित अभिभावकों को ठंड के मौसम में बच्चों के उचित खानपान, पोषण युक्त आहार तथा दैनिक देखभाल के तरीकों पर भी मार्गदर्शन दिया। बताया कि संतुलित आहार और समय पर दवा बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय लोगों ने समाज सेवी बहन सुमन के इस सेवा कार्य की सराहना करते आभार व्यक्त किया व कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं। औषधि वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन उचाना, सोमनाथ शर्मा, पवन गर्ग जींद, अभिषेक पूनिया सहित अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जींद। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो :हरिभूमि

उचाना। जैन मुनि के विहार में शामिल होने वाले अनुयायी।

पूंडरी। ग्रामीणों से बातचीत करते वरिष्ठ भाजपा नेता चेयरमैन सुभाष हजवाना।

जी राम जी आजीविका का स्थाई आधार

पूंडरी। केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी योजना शुरू किया जाना विकसित भारत के निर्माण की तरफ ऐतिहासिक कदम है इसके लागू होने से देश के गांव आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्धशाली होंगे ये विचार भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व मार्केट कमेटी चेयरमैन पुंडरी ने अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते व्यक्त किए। कहा कि इस योजना से न केवल ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि किसानों , महिलाओं व कारीगरों को आजीविका का स्थाई आधार हासिल होगा। कांग्रेस केवल झूठ फैलाकर मजदूरों को गुमराह कर रही है विपक्ष की सरकारों में पैसे का बंदर बांट होता था लेकिन नई योजना से पारदर्शी प्रणाली व डिजिटल माध्यमों से पैसा सीधे मजदूरों के खाते में पहुंचेगा। बजट में भी 17000 करोड़ की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई है ताकि 125 दिनों के रोजगार का लक्ष्य पूरा किया जा सके। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकारों का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

सीएम की अगुवाई में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा हरियाणाः देवेंद्र अत्री

विधायक ने अपने आवास पर आमजन की समस्याएं सुनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी की अगुवाई में प्रदेश विकास के मामले में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत हर क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। हर क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के विकास हो रहा है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद अब से पहले जो भेदभाव की राजनीति होती थी उस राजनीति का खात्मा हुआ है। अब पूरे प्रदेश में बिना भेदभाव के विकास कार्य हो रहे है। पहले की सरकारों में एक जिला परिषद की तरह एक जिले में ही विकास, रोजगार होता था। विधायक ने अपने आवास पर आमजन की समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में सरकारी नौकरियों की लिस्ट जारी होने से पहले ही अखबारों की हैडलाइन बन जाती थी। ऐसी व्यवस्था से पात्र युवा नौकरी से वंचित रह जाता था।

विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री आवास पर जनसमस्याओं को सुनते हुए।

मेरिट के आधार पर नौकरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस व्यवस्था को बदलने का काम भाजपा सरकार ने किया है। आज हरियाणा में बिना खर्ची, पर्ची के गरीब परिवार का युवा मेरिट के आधार पर एचसीएस भर्ती हो रहा है। अब किसी भी युवा को नौकरी के लिए किसी की सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ती। युवाओं को मेरिट के आधार पर खर्ची, पर्ची के बिना नौकरी का यह अधिकार वर्तमान सरकार ने उपलब्ध करवाया है।

पूंडरी। आयोजित यज्ञ में आहुति डालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दानः भारद्वाज

पूंडरी। श्री सनातन धर्म मंदिर में चल रही श्री गायत्री महायज्ञ एवं माघ महात्म्य कथा के दौरान कथा वाचक पंडित मानसू भारद्वाज ने अतिथि सत्कार, अन्नदान और धर्माचरण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि मध्यान्ह के समय आया अतिथि चाहे वेदपाठी हो, साधारण मनुष्य हो या पापी ही क्यों न हो, वह ब्रह्म के समान होता है। जो व्यक्ति अपने घर आए अतिथि को निराश नहीं लौटाता, वह स्वर्ग का अधिकारी बनता है। पंडित भारद्वाज ने कहा कि रात्रि में थके-हारे और भूखे यात्री या ब्राह्मण को अन्न-जल देने वाला यमलोक के कष्टों से मुक्त रहता है। अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान है, इसके समान कोई अन्य दान नहीं। गर्मी में जल, सर्दी में ईंधन और सदैव अन्न का दान करने वाले को कभी यम के दुख नहीं भोगने पड़ते। माघ मास के महत्व पर बोलते हुए कहा कि इस पावन मास में प्रातःकाल चलित जल में स्नान करने से बड़े-बड़े पाप नष्ट हो जाते हैं। माघ मास में नियमपूर्वक तिल, पात्र और तिल कमल का दान करने से मनुष्य नर्क और बुरी योनियों से बच जाता है। साथ ही सत्य, मधुर वाणी, क्षमा, नीति, दया और परनिंदा से दूर रहने वाले व्यक्ति कभी नर्क को प्राप्त नहीं होते है।

सुदर्शन क्रिया मन, तन और आत्मा का सुंदर संगम : नरेश

इंडस पब्लिक स्कूल में हैप्पीनेस प्रोग्राम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

इंडस पब्लिक स्कूल में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित हैप्पीनेस प्रोग्राम का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर अत्यंत अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को तनावमुक्त, संतुलित एवं आनंदमय जीवन की दिशा में प्रेरित करना रहा। जिसमें यह कार्यक्रम पूर्णतः सफल सिद्ध हुआ। तीन दिनों तक चले इस सत्र में प्रतिभागियों को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक विधियां सिखाई गईं। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के प्रशिक्षक नरेश जागलान एवं संगीता पटपटिया ने जानकारी दी कि संस्था विश्वभर में शांति, स्वास्थ्य और मानवीय मूल्यों के प्रसार के लिए कार्यरत है। संस्था के संस्थापक परम पूज्य श्रीश्री रविशंकर जी के मार्गदर्शन में चल रहे ये कार्यक्रम करोड़ों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला चुके हैं। हैप्पीनेस प्रोग्राम इसी उद्देश्य से बनाया गया है ताकि व्यक्ति के मन शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित हो सके। प्रशिक्षक संगीता पटपटिया ने बताया कि श्वास और मन का गहरा संबंध है तथा श्वास की सही तकनीकों से मन की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। आज की तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवनशैली में तनाव, चिंता, अवसाद, क्रोध और अनिद्रा जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में आर्ट ऑफ़ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम व्यक्ति को स्वयं से जुड़ने, भावनात्मक संतुलन बनाने और जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से जीने की कला सिखाता है।

आंतरिक आनंद का अनुभव

जिला विकास समिति के सदस्य कपिल जैन ने बताया कि इस क्रिया के अभ्यास से प्रतिभागियों ने गहरी शांति, मानसिक स्पष्टता और आंतरिक आनंद का अनुभव किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। एक प्रतिभागी ने कहा कि इस कार्यक्रम ने मुझे सिखाया कि सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों पर नही बल्कि हमारे भीतर की शांति पर निर्भर करती है। वहीं एक अन्य प्रतिभागी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद उनके सोचने का तरीका सकारात्मक हुआ है और वे दैनिक जीवन में अधिक संतुलित महसूस कर रहे हैं। इस कार्यशाला में हिमांशु ढांडा, अंबिका, सुरेंद्र धवन, पवन कुमार व अनिल देशवाल का सराहनीय योगदान रहा।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित

जींद। जिला जींद में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय रेमीडियल प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को भव्य समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के प्राथमिक शिक्षकों के साथ-साथ अन्य जिलों के शिक्षकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता एवं सं यात्मकता (एफएलएन) के क्षेत्र में नवीन शिक्षण विधियों से परिचित कराना और विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को सुदृढ़ बनाना था। प्रशिक्षण सत्र प्रतिदिन प्रातः साढ़े नौ बजे से प्रारंभ होकर सायं साढ़े चार बजे तक चला। दोनों दिनों के दौरान शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनरों ने निष्ठा, मेहनत व लगन से प्रशिक्षण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षकों को बच्चों की सीखने की गति के अनुसार शिक्षण की रणनीतियां अपनाने, रेमीडियल कक्षाओं के संचालन, और शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह के नेतृत्व में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों ने अपने-अपने खंडों में प्रशिक्षण सत्रों का उत्कृष्ट संचालन किया।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना विचारधारा पर हमला: कंवरपाल

पूंडरी। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पंडित कंवरपाल करोड़ा ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल देश की संवैधानिक और सामाजिक मूल्यों के खिलाफ है, बल्कि महात्मा गांधी की विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास भी है। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना देश के करोड़ों गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण परिवारों के लिए जीवनरेखा साबित हुई है। इस योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम से जुड़ा होना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों और गरीबों के प्रति समर्पण का प्रतीक है। ऐसे में नाम हटाना गांधी की आत्मा और उनके योगदान को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार ऐसे निर्णय ले रही है, जिनसे देश की एकता, सामाजिक समरसता और ऐतिहासिक विरासत को नुकसान पहुंच रहा है। कांग्रेस पार्टी इस फैसले का हर स्तर पर विरोध करेगी और जरूरत पड़ी तो जन आंदोलन के जरिए सरकार को अपना निर्णय वापस लेने के लिए मजबूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी योजना को कमजोर करने की बजाय सरकार को इसे और मजबूत करना चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ें हैं और गरीब परिवारों को राहत मिल सके।

संघ की 100 वर्ष की यात्रा व पंच परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी

देश को संगठित करने के उद्देश्य से हुआ था संघ का गठन : प्रताप

संघ ने समाज से जाति-पाति के भेदभाव को खत्म करने का प्रण लिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। दीप प्रज्जवलित कर गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए हुए मुख्य वक्ता तथा संगोष्ठी में भाग लेते जिले के गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रविवार को शहर के निजी होटल में संघ की 100 वर्ष की यात्रा व पंच परिवर्तन विषय पर एक नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। नागरिक गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हरियाणा के प्रांत कार्यवाह प्रताप, सह प्रांत सद्भावना प्रमुख घनश्याम, सोहम आश्रम से केवलानंद ने शिरकत की। गोष्ठी की अध्यक्षता समाजसेवी सूरजभान पातलान ने की। गोष्ठी में जींद जिला प्रचारक मुरारी लाल, प्रांत मुख्य मार्ग प्रमुख जयवीर, सह जिला संघचालक मनदीप, जिला कार्यवाह विवेक, सह जिला कार्यवाह खुशीराम, जितेंद्र, रोहतक विभाग प्रचार प्रमुख सोम कुमार, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप कुमार भी मौजूद रहे। गोष्ठी में जिले के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। प्रांत कार्यवाह प्रताप ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गठन 27 सितंबर 1925 को डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में विजय दशमी के दिन की थी। संघ के गठन का उद्देश्य हिंदुओं को संगठित कर राष्ट्रभक्ति और अनुशासन के माध्यम से समाज का निर्माण करना था। डा. हेडगेवार का चिंतन था कि देश बार-बार गुलाम क्यों हो रहा है। इसका क्या कारण है तो उन्होंने पाया कि वर्षों की गुलामी के कारण भारत के लोगों में सामाजिक चेतना की कमी हो गई है और समाज जाति-पाति में बंटा हुआ है। समाज से जाति-पाति के भेदभाव को खत्म कर समाज को संगठित करने के उद्देश्य से संघ का गठन किया गया था। वर्तमान में संघ ने अपने 100 साल पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि डा. हेडगेवार जब छोटे थे और अंग्रेज ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के राज्यभिषेक के जश्न में मिठाइयां बांट रहे थे तो उन्होंने यह कहते हुए मिठाई कूड़े में फैंक दी थी कि गुलाम बनाने वाले विदेशी शासक का जश्न मनाना शर्मनाक है और वे इस गुलामी के प्रतीक मिठाई को कूड़ेदान में फेंक रहे हैं और वास्तविक आजादी मिलने पर ही खुशी मनाएंगे। उन्होंने कहा कि संघ को अगर समझना है तो प्रतिदिन एक घंटा शाखा में जरुर जाना पड़ेगा। शाखा के बिना संघ समझ नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि पूरे भारतवर्ष में 87 हजार शाखाएं चल रही हैं और 40 देशों में हिंदू स्वयंसेवक संगठन के नाम से संघ का कार्य चल रहा है। संघ के करीब 40 आनुशंगिक संगठन हैं, जो समाज में अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ में भारत मां की आराधना होती है और संघ के स्वयंसेवक भारत माता के लिए तन-मन-धन से समर्पित रह कर कार्य करते हैं। संघ के द्वितीय सर संघचालक श्री गुरु जी के प्रयासों से महाराज हरि सिंह कश्मीर को भारत में शामिल करने पर राजी हुए। देश में जब भी किसी प्रकार की आपदा.विपदा आती है संघ के स्वयंसेवक सेवा कार्यों में बढ़.चढ़कर अपना योगदान देते हैं।

पंच परिवर्तन का प्रस्ताव पारित किया

सह प्रांत सद्भावना प्रमुख घनश्याम ने अपने सम्बोधन में कहा कि संघ द्वारा राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए पंच परिवर्तन का प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें स्वयं का बोध (स्वदेशी), सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन (पारिवारिक मूल्यों की शिक्षा), नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं ताकि भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और संस्कारित बने। उन्होंने कहा कि संघ समाज को संगठित करने में लगा हुआ है।

स्वयंसेवकों ने दिया योगदान

1947 में जब देश ने बंटवारे का दंश झेला उस समय स्वयंसेवकों ने सेवा कार्यों में अपना योगदान दिया। 1965-71 के भारत-पाक युद्ध में स्वयंसेवकों ने सेना का सहयोग किया। संघ के समाज सेवा के कार्यों को देखते हुए 26 जनवरी 1963 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने संघ के स्वयंसवेकों को परेड में शामिल किया।

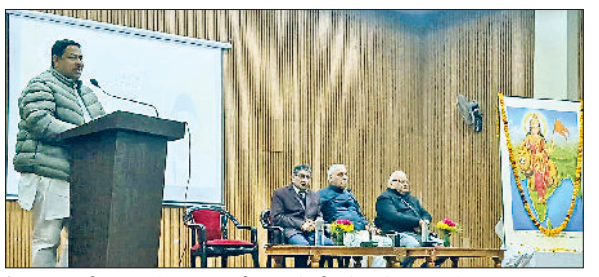

कैथल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जन गोष्ठी को संबोधित करते वक्ता।

जन गोष्ठी में बोले विक्रांत

भारत का इतिहास बलिदान की कहानियों से भरा पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला कैथल के तत्वावधान में संघ की 100 वर्षीय गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन आरकेएसडी महाविद्यालय के सभागार में भारत मां की जय के साथ देशभक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गान के साथ हुआ। मंच से संघ का परिचय प्रस्तुत करते हुए वक्ताओं ने संघ की राष्ट्रसाधना की अविराम परंपरा पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचार प्रमुख, हरियाणा प्रांत विक्रांत ने गुरु तेग बहादुर और बिरसा मुंडा को याद करते हुए देश और धर्म के लिए बलिदान देने की परंपरा को नमन करते हुए कहा कि भारत का इतिहास बलिदान की कहानियों से भरा पड़ा है। आज हमें भी देश - धर्म के लिए सजग होना होगा। जब तक हम राष्ट्र को प्राथमिकता पर नहीं रखेंगे तब तक हम देश का भला नहीं कर पाएंगे। इसी कारण जरूरी है व्यक्ति निर्माण और आज आरएसएस पिछले सौ वर्षों से व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगा हुआ है। मुख्य अतिथि डॉ सुभाष जिंदल, हड्डी रोग विशेषज्ञ, कैथल ने कहा कि डॉ. हेडगेवार जी का स्पष्ट संदेश था राष्ट्र पहले। कार्यक्रम में नरेश ने एकल गीत के माध्यम से पंचपरिवर्तन का संदेश दिया। कार्यक्रम के सह संयोजक मनोज ने मंच संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन गोष्ठी संयोजक श्याम बंसल ने प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज की सज्जन शक्ति को राष्ट्र के विकास में अपनी महत्ती भूमिका का निर्वाहन करने का आह्वान किया।

टूटता परिवार चिंता का विषय

कार्यक्रम में विशेष वक्ता सुधीर, कुरुक्षेत्र विभाग के संघ चालक ने समाज और व्यक्ति निर्माण पर जोर डालते हुए समाज में पंचपरिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कुटुंब व्यवस्था हमारी सामाजिक रीढ़ है, किंतु आज टूटते परिवार चिंता का विषय हैं। इसके समाधान के लिए पारिवारिक संवाद, सप्ताह में कम से कम एक दिन परिवार के साथ समय बिताने और बच्चों को आचरण से संस्कार देने पर बल दिया।

मंत्री बेदी 13 व 14 को करेंगे करोड़ों की विकास योजनाओं का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी 13 व 14 जनवरी को नरवाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में करोड़ों रुपयों की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे । प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी 13 जनवरी को गांव दनौदा में नहरी पानी आधारित नवनिर्मित वाटर वक्रस क्रमांक दो का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन कार्यक्रम प्रातः 11 बजे होगा। तत्पश्चात 13 जनवरी यानी मंगलवार को ही दोपहर 12 बजे कैबिनेट मंत्री द्वारा गांव हरनामपुरा में पेयजल पाइपलाइन के विस्तारीकरण तथा बूस्टिंग स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा।

इसी दिन 1 बजे गांव हथो में पेयजल आपूर्ति योजना के विस्तारीकरण एवं आधुनिकरण का लोकार्पण किया जाएगा। इसी प्रकार 14 जनवरी बुधवार को गांव उझाना में आयोजित मकर संक्रांति मेला एवं भंडारा कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम उझाना स्थित श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा खाकनाथ मंदिर में आयोजित होगा । इन सभी कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री जन समस्याएं भी सुनेंगे और मौके पर समाधान भी करेंगे।

गन्ना का रकबा बढ़ाने की कवायद तेज

- पहले योजना 31 दिसंबर तक थी, अब बढ़ा कर 20 जनवरी तक की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। गन्ना फसल का निरीक्षण करते सहायक गन्ना विकास अधिकारी यशपाल सिंह। फाइल फोटो

हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर योजनाएं बना कर उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कर रही है। किसानों के हित में हरियाणा सरकार की सराहनीय पहल है, जिसका किसानों का निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा। सहायक गन्ना विकास अधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्ना तकनीकी परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में गन्ने की नोटिफाईड एवं सिफारिश की गई किस्मों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान प्रदान किया जाएगा। पहले यह योजना 31 दिसंबर तक थी और इसे अब बढ़ा कर 20 जनवरी तक कर दिया गया है। सरकार की यह योजना किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि नई कृषि तकनीकों से गन्ने की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों को कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त होगा। विभाग किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करेगा।

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि इस योजना के तहत वाइड रो स्पेसिंग पद्धति, सिंगल बड विधि बिजाई, सीड नर्सरी, गन्ना किस्म सीओ 15023 का रोपण तथा इस किस्म को बीज के रूप में बेचने वाले किसानों को प्रदर्शन प्लांट लगाने हेतु सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत वाणिज्यिक फसल गन्ना योजना के तहत वर्ष 2025-26 में गन्ने के साथ अंतरवर्ती फसलों के प्रदर्शन प्लांट लगाए जाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस योजना के अंतर्गत किसानों को कृषि आदान सामग्री की खरीद के लिए 3200 रुपये प्रति एकड़ की दर से (अधिकतम दो एकड़ तक) अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ केवल अधिसूचित, अनुशंसित गन्ना किस्मों की बिजाई पर ही मान्य होगा।

लोहड़ी-मकर संक्रांति सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक : अशोक गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ने कहा कि लोहड़ी और मकर संक्रांति जैसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपरा और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण हैं। ये त्योहार हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य, परिश्रम के सम्मान और आपसी सौहार्द का संदेश देते हैं। अशोक गुर्जर ने कहा कि लोहड़ी का पर्व नई फसल के आगमन और किसान की मेहनत को सम्मान देने का अवसर है। यह पर्व समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है, जहां लोग एकत्र होकर लोक परंपराओं का निर्वहन करते हैं और खुशियां साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक पर्व है, जो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और नई ऊर्जा का संकेत देता है।

यह पर्व दान, सेवा और सद्भाव की भावना को प्रोत्साहित करता है और समाज में संतुलन व अनुशासन का संदेश देता है। गुर्जर ने कहा कि इन पर्वों का महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। ये त्योहार हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को संस्कारों से परिचित कराते हैं।

खेल हमारी संस्कृति का हिस्सा: अनिल तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। खेल प्रतियोगिता में अतिथि का स्वागत करते पदाधिकारी।

गांव रोहेड़ियां की तरफ स्व. शिशपाल सैनी की याद में दूसरा टेनिस क्रिकेट बाल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। रविवार को प्रतियोगिता का तीसरा दिन रहा। करीब नौ मुकाबले खेले गए। इन मुकाबलों में सुबह के सत्र का शुभारंभ इनेलो के जिलाध्यक्ष अनिल तंवर, समाजसेवी चंद्रभान व सिल्लाखेड़ा गांव के सरपंच सोमनाथ व पंचायत सदस्य तेजभान सैनी ने किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। खेल हमारी संस्कृति का हिस्सा है। युवाओं को नशा छोड़कर खेलों में भाग लेना चाहिए, खेलों में भाग लेने से जहां स्वास्थ्य मजबूत होता है, वहीं खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। मुख्यातिथि ने खेलों का भव्य आयोजन के लिए कमेटी सदस्यों को बधाई दी। कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल भावना को बढ़ावा मिलता है। तीसरे दिन रविवार को हुए मुकाबलों में गांव रोहेड़ियां ने सुभाष नगर को, पिंजुपुरा ने पाड़ला को, ब्राहम्णीवाला ने कलायत को, धुंधरेहड़ी ने तारागढ़ को, टीक ने गढ़ी को, हरसौला ने पिलनी को हराया। आज अंतिम दिन मुख्य मुकाबले होंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तरसेम जागलान, विक्की कश्यप, संदीप कश्यप, सुनील सैनी, धर्मवीर सैनी, रिंकू सैनी, मुकेश सैनी, नरेश जागलान, सचिन सैनी, जगदीश कुमार, खुशी राम जागलान, बलकार जागलान, तेजभान सैनी, नरेश जागलान, मियां सिंह, कलीराम जागलान, गोपाल सैनी, दीपक सैनी, कुलदीप, जोगीराम, कुलदीप, राजा राम मौजूद रहे।

वक्त आ रहा जहां से जाने का...

कैथल। साहित्य सभा कैथल की मासिक समीक्षा गोष्ठी आर के एस डी कालेज में आयोजित हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता अमृत लाल मदान ने तथा संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी का आगाज राजेश भारत ने यूं किया -क्या भूख है जमाने में,सब व्यस्त हैं बस खाने में। बलवान कुंडू ने कहा - 'बंदूक, बारूद, तलवार किसी को नहीं मारते,मारता है आदमी का अहंकार।' सुरेश कुमार कल्याण ने कहा -रूठा बेटा बाप से ऐंठ रहा पुरजोर,मिन्नत करता बाप अब कलयुग आया घोर।' दिनेश बंसल ने कहा -'जो साथ तुम्हारे थी वो तलवार किधर है,सर को तो बचा लाए हो दस्तार किधर है।' रवीन्द्र कुमार रवि'ने कहा -'बुजुर्गों से न करता मशविरा जो, वकीलों के वो चक्कर काटता है। अनिल कौशिक ने नये साल की बधाई यूं दी-किसी नूं हत्थी, किसी नूं पैरीं, किसी नूं मत्थे चुम्म के नवें साल दियां शुभकामनावां। रामफल गौड़ ने कहा -जोण सी उसनै बात बताई,ना चेहरे नै देई गंवाई। यात्री गंगा ने कहा - 'जिसका जवाब न हो मेरे जहन में, ऐसा कोई सवाल न रहा।' श्याम सुंदर शर्मा ने कहा - वक्त आ रहा जहां से जाने का। शमशेर कैंदल ने कविता 'दूर दराज का मन्दिर ' कविता प्रस्तुत की। ईश्वर चंद गर्ग ने कहा -सांझा चूल्हा सांझा भात,कब की हो गई बीती बात। सोहन लाल सोनी ने कहा -दर्द में डूबा हुआ बंदा, खुद से ऊबा हुआ बंदा।' डा. चतरभुज बंसल ने कहा - डूब गया क्यूं बेईमान म्हारे कुल की लाज क्यूं खोई रै।' ममता अग्रवाल ने स्वामी विवेकानंद को यूं श्रद्धांजलि दी -सात समंदर पार खड़ा था भगवां ओढ़े इक संन्यासी।' पूनम मेहता ने विश्व हिन्दी दिवस की बधाई यूं दी- कठिन नहीं हूं सरल बहुत मैं, हिंदी हिंदुस्तान की।'

युवाओं को किया नशा न करने बारे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। ग्रामीण युवाओं को जागरूक करती पुलिस टीम फोटो : हरिभूमि

कैथल पुलिस द्वारा जिले भर में नशा जागरूकता अभियान को निरंतर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है। नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, महिला सिपाही रेखा व सोनिया, तथा एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर की संयुक्त टीम द्वारा गांव टटीयाना, सादरहेड़ी, पीडल व चीका में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों, युवाओं, विद्यार्थियों और महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। टीम सदस्यों ने उपस्थित लोगों को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल, शिक्षा और रोजगार जैसे सकारात्मक कार्यों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही आमजन को यह भी जानकारी दी गई कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों ने भी पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जैन संत की पक्षियों के लिए बसेरे बनाए जाने की दी जा रही प्रेरणा की तारीफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

हरियाणा की सबसे पुरानी और बड़ी खापों में शामिल सतरोल खाप के प्रधान एडवोकेट संदीप खर्ब ने पक्षियों के लिए राम श्याम महावीर जैन पक्षी बसेरे बनाने के लिए गुरू अरूण चंद्र महाराज द्वारा दी जा रही प्रेरणा की तारीफ करते हुए कहा कि खाप के गांव में भी ग्रामीणों को अपने-अपने गांव में पक्षियों के लिए पक्षी बसेरे बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जो खाप का प्याऊ माजरा में चबूतरा बन रहा है वहां पर भी जैन संत अरूण चंद्र महाराज की प्रेरणा से पक्षी बसेरा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत के प्रमुख जैन संतों में अरूण चंद्र महाराज है। वो निरंतर लोगों को बुराइयों से दूर रहनेए धर्म के कार्य करने, भगवान महावीर स्वामी का जिओ और जीने दो का संदेश दे रहे है। जैन संत जैस त्याग, तपस्या आज के इस जमाने में कोई नहीं कर सकता है। जैन संत का नाम बैंक में खाता होता है ना सिर पर छाता होता है ना पांव में चप्पल होती है ना कोई स्थाई ठिकाना होता है। जैन संत भी बहते पानी की तरह होते है वो एक जगह नहीं रूकते चलते रहते है। खर्ब ने प्रदेश के पंचायत मंत्री से भी मांग की कि वो भी हर गांव में पक्षियों के लिए राम श्याम महावीर जैन के नाम से पक्षियों के लिए पक्षी बसेरे बनवाए ताकि पक्षियों के हर गांव में बसेरे हो सकें।

कार्यक्रम ब्राह्मण समाज ने सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी का किया भव्य अभिनंदन

भाईचारे और शिक्षा के बल पर तय होती है तरक्की की राह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अभिनंदन समारोह में सांसद को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि सामाजिक समरसता और शिक्षा का ज्ञान राष्ट्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। इतिहास गवाह है कि जहां-जहां छत्तीस बिरादरी का भाईचारा मजबूत है और जहां-जहां शिक्षा की गंगा बहती है, वहां तरक्की की राह खुद ब खुद तय हो जाती है। ब्राह्मण समाज को शरीर का मुख कहा जाता है। इसलिए शास्त्र के ज्ञान को जहन-जहन तक पहुंचाते हुए समाज को सशक्त करने में अहम रोल अदा करें। सासंद सतपाल ब्रह्मचारी रविवार को सफीदों रोड स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। पूर्व विधायक दयानंद शर्मा की अध्यक्षता में हुए अभिनंदन समारोह में जींद जिले से गणमान्य लोगों ने सांसद का भव्य अभिनंदन किया। समारोह में जिला प्रधान ब्राह्मण सभा जींद के वर्तमान प्रधान धर्मबीर पिंडारा, पूर्व प्रधान सियाराम शास्त्री, पूर्व प्रधान रामफूल शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिराम दीक्षित, जुलाना ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा, जयंती मंदिर पुजारी नवीन शास्त्री सहित अन्य क्षेत्रों से आए सभा प्रधानों और प्रतिनिधियों ने सांसद को सम्मान स्वरूप पगड़ी पहनाई। समारोह में रखी गई मांगों को पूरा कराने का आश्वासन देते हुए सांसद ने इस दौरान 11 लाख की ग्रांट देने का भी ऐलान किया। इस दौरान हरिराम दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे, तब ब्राह्मण समेत कुछ अन्य जातियों को आर्थिक आधार पर आरक्षण मिला था। किंतु 2022 के आसपास इस आरक्षण को बंद कर दिया गया। केंद्र सरकार ने जो इडब्लयूएस आरक्षण दिया हुआ है उसमें ब्राह्मण समाज का कोटा निर्धारित करने के लिए समाज की पैरवी करें। सांसद ने कहा कि आरक्षण के लिए राज्य सरकार को भी अनुमोदन करना चाहिए। रही बात वे इस मसले को देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में उठाएंगें। उन्होंने कहा कि छत्तीस बिरादरी के सहयोग से वे मात्र 22 दिन में सांसद बने हैं, इसलिए सोनीपत, जींद की जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए अंतिम सांसो तक प्रयास करता रहुंगा। जुलाना ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा ने कहा कि जिस तरह बीते लोकसभा चुनाव में साथ दिया था, उसी तरह भविष्य में भी ब्राह्मण समाज साथ देगा।

शास्त्र ही समाज में भर सकते हैं संस्कार

सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भगवान परशुराम के एक हाथ में शास्त्र है तो दूसरे में शस्त्र। वे शस्त्र को किसी खास मौके पर ही उठाते थे किंतु शास्त्र सदैव उनके हाथ में रहा। इससे यही संदेश जाता है कि शास्त्र ही समाज और राष्ट्र को मजबूती दे सकता है। शास्त्र ही समाज में संस्कार भर सकते हैं। इसलिए हर वर्ग शिक्षा की तरफ जरूर बढ़े।